कंपनी के वित्तीय विवरण

3

यह समझने के बाद कि एक कंपनी वित्त कैसे अर्जित करती है, इस अध्याय में हम वित्तीय विवरणों से तात्पर्य, प्रकृति, उद्देश्यों को समझने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों के प्रकार, उसके स्वरूप एवं विषय वस्तु तथा उसके उपयोग एवं सीमाओं के संबंध में अध्ययन करेंगे। वित्तीय विवरण लेखांकन प्रक्रिया का अंतिम चरण है। इनका निर्माण समांतर लेखांकन परिकल्पना सिद्धांतों, कार्यनीतियों और वैधानिक वातावरण के आधार पर होता है जिसके अंतर्गत व्यावसायिक संगठन अपनी क्रियाकलापों का प्रचालन करती है। यह विवरण लेखांकन प्रक्रिया के संक्षिप्तकरण का परिणाम है। अतः, ये सूचनाओं के स्रोत हैं जो किसी संगठन की लाभ प्रदता और वित्तीय स्थिति संबंधी निष्कर्ष निकालने हेतु सहायक होते हैं। इनका व्यवस्थित ढंग से प्रारूप तैयार किया जाता है जोकि अंशधारक और उपयोगकर्त्ता सरलतापूर्वक समझ सकें और अर्थपूर्ण आर्थिक निर्णयों में प्रयोग कर सकें।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप:

- वित्तीय विवरणों के उद्देश्यों एवं प्रकृति की व्याख्या कर सकेंगे;
- *आय विवरण के स्वरूप एवं विषय वस्तु का वर्णन कर सकेंगे;*
- तुलन पत्र के स्वरूप एवं विषय-वस्तु का वर्णन कर सकेंगे;
- वित्तीय विवरणों के महत्त्व एवं सीमाओं की व्याख्या कर सकेंगे; तथा
- वित्तीय विवरणों को तैयार कर सकेंगे।

3.1 वित्तीय विवरणों से अभिप्राय

वित्तीय विवरण आधारभूत एवं औपचारिक साधन होते हैं जिनके माध्यम से निगम (कंपनी) प्रबंध विभिन्न बाह्य उपयोगकर्ताओं को वित्तीय सूचनाएं संचारित करता है। वित्तीय विवरण मूलरूप से स्वामी की आवश्यकताओं की ओर निदेशित होते हैं और संयोग से अन्य बाहरी पार्टियों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं जिनमें निवेशक, कर अधिकारियों, सरकार तथा कर्मचारी आदि भी सम्मिलित होते हैं। यह समान्यतः कंपनी के (अ) तुलन पत्र (ब) लाभ व हानि खाते को प्रदर्शित करती है। अब रोकड़ प्रवाह विवरण को भी वित्तीय विवरणों का अनिवार्य भाग समझा जाता है।

© NCERT not to be republished

बॉक्स 1

जॉन एन॰ मेयर के शब्दों में, ''वित्तीय विवरण एक उद्यम के खातों के सारांश तुलन पत्र में परिसंपत्तियों, दायित्वों तथा निश्चित तिथियों पर पूँजी की स्थिति को एक विशिष्ट अवधि के दौरान और संचालन के परिणाम आय विवरण को दर्शाते हैं।''

स्मिथ एवं एसबर्न वित्तीय विवरणों को इस प्रकार परिभाषित करते हैं- वित्तीय लेखांकन के अंतिम उत्पाद के रूप में वित्तीय विवरणों को एक व्यावसायिक के लेखे (खाते) तैयार किये जाते हैं जिसका उद्देश्य उद्यम की वित्तीय स्थिति तथा उसके हाल ही के कार्यकलापों के परिणाम को प्रकट करना और आय के द्वारा किए गए कार्यों का एक विश्लेषण करना होता है।

एंथोनी के शब्दों में, वित्तीय विवरण मूलत: वार्षिक रूप से प्रस्तुत अंतरिम रिपोर्ट तथा एक उद्यम के जीवन के एक खंड का, कुल मिलाकर थोड़ा बहुत या ऐच्छिक लेखांकन अवधि-कुछ हद तक एक वर्ष का प्रतिबिंबन होता है।

3.2 वित्तीय विवरणों की प्रकृति

परिघटनाओं के तथ्यों का कालक्रमानुसार अभिलेखन जो कि एक स्पष्ट निश्चित अवधि के लिए मौद्रिक शब्दावली में व्यक्त किये जाएं वित्तीय विवरणों की आवधिक तैयारी के लिए आधार होते हैं जोकि एक अवधि के दौरान प्राप्त किए गए वित्तीय परिणामों को तिथि अनुसार वित्तीय स्थिति को प्रकट करते हैं।

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड पब्लिक एकाउंटेंट्स (AICPA) वित्तीय विवरणों की प्रकृति को इस प्रकार व्यक्त करता है- वित्तीय विवरणों को एक आवधिक समीक्षा प्रस्तुत करने के लिए या प्रबंध द्वारा की गई प्रगति की रिपोर्ट को दर्शाने के उद्देश्य के लिए किया जाता है तथा ये व्यवसाय में निवेश की स्थिति से संबंध रखते हैं और समीक्षा अवधि के दौरान उपलब्धि के परिणामों को प्रकट करते हैं। ये अभिलिखित तथ्यों, लेखांकन सिद्धांतों तथा वैयक्तिक निर्णयों के एक समीकरण को प्रतिबिंबित करते हैं।

निम्नलिखित बिन्दु वित्तीय विवरणों की प्रकृति की व्याख्या करते हैं-

1. *अभिलिखित तथ्य* - वित्तीय विवरण खाता पुस्तकों में लागत आँकड़ों के रूप में अभिलिखित तथ्यों के आधार पर तैयार किए जाते हैं। मूल लागत या ऐतिहासिक लागत अभिलिखित लेन-देनों का आधार होती है। विभिन्न खातों की संख्याएं जैसे कि हस्तस्थ रोकड़, बैंकस्थ रोकड़, विविध देनदार, स्थिर परिसंपत्तियाँ आदि की संख्याएं खाता पुस्तकों में अभिलिखित संख्याओं के अनुसार ली जाती हैं। भिन्न-भिन्न समयों पर भिन्न मूल्यों पर क्रय की गई परिसंपत्तियों को उनकी लागत मूल्य को दर्शाते एक साथ रखा जाता है। चूँकि अभिलिखित तथ्य प्रतिस्थापन लागत पर आधारित नहीं होते हैं, अत: वित्तीय विवरण संबंद्ध वस्तु की वर्तमान आर्थिक स्थिति को नहीं दर्शाते हैं।
2. *लेखांकन परंपरा* - वित्तीय विवरण तैयार करते समय कुछ निश्चित लेखांकन परंपराओं का अनुपालन किया जाता है। लागत या बाजार मूल्य पर माल मूल्यांकन की परंपरा जो भी लागू हो, अपनाई जाती है। एक परिसंपति को लागत से कम करने हेतु, तुलन पत्र के लिए, मूल्यह्रास को अनुपालित किया जाता है। छोटे मदों जैसे कि पेंसिल, पेन, पोस्टेज स्टैम्प आदि के लेन-देन हेतु द्रव्यात्मकता की परंपरा

© NCERT not to be republished

का अनुपालन किया जाता है। ऐसे मदों को उस वर्ष के व्यय के रूप में प्रदर्शित किया जाता है जिसमें वे खरीदी गई थी, भले ही वे प्रकृति में परिसंपत्तियाँ हैं। लेखन सामग्री को लागत पर मूल्यांकित किया जाता है न कि लागत या बाजार मूल्य पर, जो भी न्यूनतम हो के आधार पर। लेखांकन परंपरा के उपयोग से वित्तीय विवरण तुलनात्मक, सरल एवं वास्तविकता पूर्ण बन जाते हैं।

3. अभिधारणाएँ - वित्तीय विवरणों को कुछ निश्चित मूलभूत संकल्पनाओं या पूर्वानुमानों पर तैयार किए जाते हैं जिन्हें अभिधारणाओं के नाम से जानते हैं जैसे सतत् व्यापार, मुद्रा मापन आगम प्राप्ति आदि। सतत् व्यापार अवधारणा के अनुसार ऐसा माना जाता है कि व्यवसाय लंबे समय तक चलेगा और समापन पूर्वानुमानित भविष्य में नहीं है। अत:, परिसंपत्तियाँ ऐतिहासिक लागत आधार पर दर्शायी जाती हैं। मुद्रा मापन अवधारणा के अनुसार मुद्रा का मूल्य विभिन्न समयवधियों पर समान रहेगा। हालांकि क्रय क्षमता में प्रबल परिवर्तन आया है, और विभिन्न समयाविधयों में क्रय की गई परिसंपत्तियाँ को उनके क्रय-मूल्य पर ही दर्शाया जाता है। लाभ व हानि खाता तैयार करते समय आगम को विक्रय के वर्ष पर ही दर्शाया जाएगा। हालांकि हो सकता है कि विक्रय मूल्य की वसूली एक लम्बी अवधि तक होती रहे। इस अवधारणा को आगम प्राप्ति अवधारणा कहते हैं।
4. *वैयक्तिक निर्णय* - कई बार संयोगवश वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई तथ्य एवं संख्याएं व्यक्तिगत राय, अनुमानों तथा निर्णयों पर आधारित होती है। परिसंपत्ति के मूल्यह्रास का निर्धारण स्थिर परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवन की उपयोगिता को ध्यान में रखकर होता है। संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान वैयक्तिक अनुमानों एवं निर्णयों पर बनाया जाता है। माल के मूल्यांकन में, लागत या बाजार मूल्य, जो भी न्यूनतम है, अपनाया जाता है। जब किसी माल की लागत या फिर बाजार मूल्य का निर्णय लेना होता है, तब कुछ निश्चित समबद्धताओं को आधार बना कर अनेकों वैयक्तिक निर्णय लेने पड़ते हैं। जब वित्तीय विवरणों को तैयार किया जाता है तो व्यक्तिगत राय, निर्णयों तथा अनुमान किए जाते हैं ताकि परिसंपत्तियों, देनदारियों आय एवं व्ययों के आधिक्य की संभावना से बचाव किया जा सके और इसमें रूढ़िवाद की परंपरा को ध्यान में रखा जाता है।

इस प्रकार से वित्तीय विवरण अभिलिखित तथ्यों की संक्षिप्त रिपोर्ट होते हैं तथा लेखांकन अवधारणा, परंपरा एवं कानून की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए तैयार किए जाते हैं।

3.3 वित्तीय विवरणों के उद्देश्य

वित्तीय विवरण अंशधारकों और बाहरी पक्षों हेतु किसी संस्था के संदर्भ में लाभ प्रदता और वित्तीय स्थिति संबंधित सूचनाओं के आधारभूत स्रोत है। यह विवरण एक विशिष्ट समयावधि के लिए संख्या के प्रचालन परिणाम उपलब्ध कराते हैं और व्यवसायिक संगठन के दायित्वों और परिसंपत्तियों को अवगत कराते हुए निर्णय प्रक्रिया में सहायक होते हैं। अत: वित्तीय विवरणों का प्राथमिक उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को निर्णय लेने में सहायता करना है। विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. *एक व्यवसाय आर्थिक संसाधनों एवं दायित्वों के संदर्भ में सूचना उपलब्ध कराना* - इन्हें इसलिए

© NCERT not to be republished

तैयार किया जाता है ताकि एक व्यवसायिक फर्म के निवेशकों एवं बाहरी पार्टियों के लिए उसके आर्थिक संसाधनों एवं दायित्वों के बारे में पर्याप्त, विश्वसनीय तथा आवधिक सूचना उपलब्ध कराई जा सके। जो कि सूचना प्राप्त करने के संसाधनों या सक्षमता तथा सीमित आधिकारिकता वाले होते हैं।

2. *व्यवसाय की अर्जन क्षमता के बारे में सूचना उपलब्ध कराना* – वित्तीय विवरण उपयोगितापूर्ण वित्तीय सूचनाएं प्रदान करते हैं जो कि एक व्यावसायिक फर्म की अर्जन क्षमता के पूर्वानुमान, तुलना तथा पुनर्मूल्यांकन के लिए लाभ कर ढंग से उपयोग में लाई जा सकती है।
3. *रोकड़ प्रवाह के संदर्भ में सूचना उपलब्ध कराना* – यह एक व्यवसाय के बारे में, उसके निवेशकों तथा ऋणदाताओं को उपयोग जानकारी उपलब्ध कराते हैं ताकि वे राशि, समयबद्धता तथा संबंधित अनिश्चितताओं के परिप्रेक्ष्य में रोकड़ प्रवाह का पूर्वानुमान, तुलना, मूल्यांकन तथा सक्षमता को जान सकें।
4. *प्रबंध की प्रभावशीलता को आँकलित करने की सूचना*– वित्तीय विवरण एक व्यवसाय की प्रबंधन क्षमता को आंकलित करने के लिए उपयोगी जानकारी देते है कि वे व्यवसाय के संसाधनों को कितना प्रभावशाली तरीके से उपयोग कर पा रहे हैं।
5. *समाज को प्रभावित करने वाली व्यावसायिक गतिविधियों के संदर्भ में सूचना*– ये एक व्यावसायिक संगठन से समाज पर प्रभाव डालने वाली गतिविधियों के बारे में रिपोर्ट देते हैं, जिन्हें निर्धारित एवं वर्णित अथवा मापा जा सकता है। जोकि उसके सामाजिक वातावरण के लिए महत्त्वपूर्ण होता है।
6. *लेखांकन नीतियों को प्रकट करना* – ये रिपोर्ट महत्त्वपूर्ण नीतियों एवं अवधारणाओं के संदर्भ में जानकारी देती है जिन्हें लेखांकन प्रक्रिया में अनुपालित किया गया होता है और वर्ष के दौरान हुए परिवर्तनों की सूचना भी देती हैं ताकि इन विवरणों को बेहतर ढंग से समझा जा सके।

3.4 वित्तीय विवरणों के प्रकार

वित्तीय विवरणों में समान्यतः दो प्रकार के विवरण सम्मिलत होते हैंः तुलन पत्र और लाभ व हानि खाता, जोकि बाह्य प्रतिवेदनों और प्रबंध की आंतरिक आवश्यकताओं जैसे नियोजन निर्णय प्रक्रिया और नियंत्रण के लिए आवश्यक हैं।

दो आधारभूत या मुख्य वित्तीय विवरणों को तुलन पत्र एवं आय विवरण के नाम से जानते हैं जो बाहरी रिपोर्टिंग के लिए अपेक्षित होता है और इसके साथ ही प्रबंध की आंतरिक आवश्यकताओं जैसे नियोजन, निर्णय लेने तथा नियंत्रण के लिए आवश्यक होते हैं। ये दोनों मूलभूत विवरण सहित अनुसूचियों परिशिष्टों, तुलन पत्र और लाभ व हानि खाते के आँकड़ों के संपूरक हैं। इन दो मूलभूत वित्तीय विवरणों के अतिरिक्त, यहाँ पर यह निधियों के संचालन के बारे में तथा कंपनी की वित्तीय स्थितियों में बदलावों के बारे में जानने की आवश्यकता होती है। इसके लिए, कोष प्रवाह विवरण या रोकड़ प्रवाह विवरण दिशा–निर्देश देते हैं।

तुलन पत्र – तुलन पत्र का उद्देश्य परिसंपत्तियों संसाधनों और दायित्वों (संसाधनों की उत्पति हेतु भार) को दर्शाना है। अमेरिकन इंस्टीटयूट ऑफ पब्लिक एकाऊटेंटस के अनुसार तुलन पत्र खाता पुस्तकों के वास्तविक

© NCERT not to be republished

रूप से बंद होने पर आगे लाए गए नाम और जमा शेषों के सारांश का विवरण है। तुलन पत्र निश्चित तिथि पर तैयार किया जाता है और परिसंपित्तयों को दायीं दायित्वों को बायीं ओर दर्शाता है।

लाभ व हानि खाता अथवा आय विवरण – लाभ व हानि खाता एक लेखांकन रिपोर्ट है जो आगम और व्ययों की मदों को संक्षिप्त रूप में दर्शाता है साथ ही कथित लेखांकन अवधि के लिए लाभ/हानि की गणना करता है। यह खाता आगामी समयावधि के मध्य स्वामित्व पूँजी में परिवर्तन को भी दर्शाता है। यह खाता तुलन पत्र के निर्माण में अत्यंत उपयोगी है अतः संलग्न किया जाता है। आय विवरण व्यवसायिक इकाई की अनुलंब तस्वीर प्रस्तुत करता है और दी गई समयावधि में प्रचालन परिणामों को दर्शाता है। आय विवरण आगम, व्ययों, सकल लाभ प्रचालन लाभ और निवल लाभ अथवा हानि के दृष्टिकोण से व्यवसाय के प्रबंध की नीतियों, व्ययों, जानकारी दूरदर्शीता और उत्साह संबंधी गुणात्मक व्याख्या प्रदान करता है।

आय के लेखांकन संकल्पना के अनुसार, एक समयावधि के लिये समाप्य लागत पर वसूल किये गये आगम आधिक्य को आय (लाभ) और वसूल किये गये आगम पर समाप्य लागत को हानि कहते हैं। अतः एक समयावधि पर संबंधित समाप्य लागत और प्राप्त लागत के मध्य अन्तर का परिणाम है। यहाँ ध्यान योग्य है कि समान्यतः एक समयावधि के लिए आगम और व्ययों के मापन हेतु लेखांकन का उपर्जिन आधार अपनाया जाता है। इसके अतिरिक्त एक अन्य विवरण लाभ व हानि विनियोजन खाता प्रयोग में लाया जाता है जिसमें लाभ संबंधी विनियोजनों को अभिलेखित करते हैं।: जैसे कि लाभांश हेतु संचय और प्रावधान में हस्तांतरण।

स्वयं जाँचिए –1

(क) निम्नलिखित कथन 'सही' है या 'ग़लत' बताएँ

1. वित्तीय विवरण लेखांकन प्रक्रिया का अंतिम उत्पाद होते हैं।
2. वित्तीय विवरण मूलतः मालिक की आवश्यकताओं की ओर निर्दिष्ट होते हैं।
3. वित्तीय विवरणों में दिए गए सभी तथ्य एवं संख्याएँ वैयक्तिक निर्णयों पर नहीं आधारित होते हैं।
4. अभिलिखित तथ्य प्रतिस्थापन मूल्य/लागत पर आधारित होते हैं।
5. सतत् व्यापार अवधारणा मानता है कि उद्यम लंबी अंवधि के लिए चालू रहेगा।

(ख) उपयुक्त शब्दों के साथ रिक्त स्थानों को भरें–

1. वित्तीय विवरण दिलचस्पी लेने वाली पार्टियों के लिए ____________ होते हैं।
2. एक कंपनी के मालिक को____________ कहा जाता है।
3. आय मापन हेतु ____________ लेखांकन आधार का अनुसरण किया जाता है।
4. वह विवरण जो एक कंपनी की परिसंपत्तियों एवं दायित्वों को दर्शाता है, उसे_______ कहते हैं।
5. लाभ व हानि खाते को____________ विवरण भी कहते हैं।

3.5 आय विवरण का स्वरूप एवं प्रारूप

आय विवरण को तीन भागों में वर्गीकृत किया जाता है: (अ) व्यापारिक खाता – सकल लाभ अथवा सकल हानि दर्शाता है, (ब) लाभ व हानि खाता निवल लाभ अथवा निवल हानि दर्शाता है। (स) लाभ व हानि विनियोजन खाता जो चालू वर्ष से संबंधित समाप्त विनियोजनों, जो गत वर्ष के लाभ अथवा हानि व एक

समयावधि के अंत में आधिक्य अथवा कमी को दर्शाता है। इस स्थिति में यह ध्यान योग्य है कि इस विवरण का शीर्षक व्यापारिक शब्द नहीं शामिल करता है परन्तु कंपनी का नाम आवश्यक रूप से दर्शाता है। लाभ व हानि खाते और लाभ व हानि विनियोजन खाते का सरल स्वरूप एवं प्रारूप नीचे दिया गया है।

वर्षान्त............कंपनी लिमिटेड का..............लाभ व हानि खाता

व्यय		*राशि (रु.)*	*आगम*		*राशि (रु.)*
प्रारंभिक स्टॉक		xxx	विक्रय	xxx	
क्रय	xxx		घटाया: विक्रय वापसी	(xx)	
घटाया: क्रय वापसी	(xx)	xxx	अंतिम स्टॉक		xxx
आतंरिक ढुलाई		xxx	सकल हानि आ/ले (यदि हो तो)		xxx
मजदूरी		xxx			
प्रत्यक्ष व्यय		xxx			
सकल लाभ आ/ले		xxx			
		xxx			
सकल हानि आ/ला		**xxx**			**xxx**
वेतन		xxx	सकल लाभ आ/ला		xxx
कार्यालय किराया		xxx			
विज्ञापन		xxx			
बाह्य ढुलाई		xxx			
प्रदत्त बट्टा		xxx			
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान					
मूल्य ह्रास–					
कार्यालय भवन	xxx				
फर्नीचर	xxx	xxx			
कराधान के लिए प्रावधान		xxx			
निवल लाभ आ/ले		xxx			
		xxx			**xxx**
सामान्य आरक्षित में हस्तांतरित		xxx	शेष आ/ला (पूर्ववर्ती वर्ष लाभ का शेष)		xxx
अन्य आरक्षित में हस्तांतरित (यदि है तो)		xxx	निवल लाभ आ/ला		xxx
प्रस्तावित लाभांश		xxx	(चालू वर्ष के लिए)		
शेष आ/ले		xxx			
		xxx			**xxx**

चित्र 3:2 *कंपनी के लाभ व हानि खाते का प्रारूप*

आय विवरण का प्रस्तुतिकरण लम्बत रूप में भी विस्तृत आंकड़ों सहित किया जा सकता है। यह प्रारूप अतिरिक्त विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया हेतु आवश्यक आंकड़े प्रदान करने में सहायता देता है। लम्बवत आय विवरण का प्रारूप चित्र 3.3 में दिखाया गया है।

© NCERT not to be republished

वर्षान्त......................कंपनी लि॰ के लिए....................की

आय विवरण

आगम और व्यय के तत्व	*राशि (रु.)*	*राशि (रु.)*
विक्रय –		
नकद विक्रय	xxx	
उधार विक्रय	xxx	
कुल विक्रय	xxx	
घटाया : विक्रय वापसी	(xx)	
निवल विक्रय (1)		
घटाया : बेचे गए माल की लागत		
प्रारंभिक स्टॉक	(xxx)	
+क्रय (माल व प्रसंगिक व्ययों सहित) + मजदूरी	xxx	
+विनिर्माण व्यय	xxx	
+अव्य प्रत्यक्ष व्यय	xxx	
	(xxx)	
घटाया–अंतिम स्टॉक	xxx	
बेचे गए माल की लागत का योग (2)		xxx
सकल लाभ– (3) अर्थात (1) घटा (2)		xxx
घटाया: प्रचालन व्यय (4)		
+प्रशासनिक व्यय	(xxx)	
+प्रशासकीय व्यय	xxx	
+विक्रय व्यय	xxx	
+वितरण व्यय	xxx	
+मूल्यह्रास	xxx	xxx
प्रचालन लाभ– (5) (अर्थात् 3-4)		xxx
जोड़ा:– गैर प्रचालन आय, यदि कोई है जैसे कि कमीशन, परिसंपत्तियों की विक्रय पर लाभ, विनियोगों से आय		xxx
घटाया: गैर प्रचालन व्यय,		xxx
यदि कोई है जैसे कि आग से हानि		xxx
ब्याज और कर से पूर्व निवल लाभ (6)		xxx
घटाया: **ब्याज प्रभार (7)**		xxx
ऋणों पर ब्याज	(xxx)	
ऋणपत्रों पर ब्याज	(xxx)	xxx
करों से पूर्व निवल लाभ (8) (अर्थात) (6-7)		xxx
घटाया: करों के लिए प्रावधान (9)		(xxx)
		xxx
निवल लाभ– (10) (अर्थात् 8–9) (कर के पश्चात लाभ)		

चित्र 3.3: *कंपनी के आय विवरण का प्रारूप*

© NCERT not to be republished

आय विवरण की तैयारी के लिए निम्नलिखित प्रक्रम का अनुकरण करना होता है–

1. तलपट के जमा पक्ष की ओर दर्शायी गयीं आगम प्राप्तियों से संबंधित अग्रिम प्राप्त आगम अथवा वसूले गए आगम परन्तु प्राप्त नहीं हुए आदि के उपयुक्त समायोजन करने के पश्चात् आय विवरण के जमा (पक्ष) की ओर सभी प्राप्तियों का अभिलेखन।
2. तलपट के नाम पक्ष की ओर दर्शाये गये आगम खर्चों को बकाया पूर्वदत्त व्यय, ह्रास संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान, कराधान आदि समायोजनों के पश्चात् आय विवरण के नाम पक्ष की ओर अभिलेखन।
3. आय विवरण के जमा पक्ष की ओर प्रदार्शित गैर–संचालन आय एवं लाभों का अभिलेखन।
4. आय विवरण के नाम पक्ष की ओर प्रदर्शित सभी गैर–प्रचालन हानियों का अभिलेखन।
5. जमा मदों के योग तथा नाम मदों के योग के बीच अंतर को ज्ञात करना।
6. यदि जमा मदों की अपेक्षा नाम मद कम है तो इसे निवल लाभ तथा इसके विपरीत को हानि कहते हैं।
7. भारत में कंपनियों के वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए लेखांकन वर्ष 1 अप्रैल से मार्च 31 (ठीक भारत सरकार के वित्त वर्ष की भांति) तक होता है।

यह ध्यानयोग्य है कि कंपनी अधिनियम में लाभ व हानि खाते के लिये कोई प्रारूप निर्धारित नहीं है। हालांकि अधिनियम की अनुसूची VI भाग II लाभ व हानि खाते हेतु विस्तृत आवश्यकताओं की जानकारी देता है और स्पष्ट बताता है कि इस खाते का निर्माण निर्धारित समयावधि पर कंपनी के क्रियाकलापों के स्पष्ट प्रकटीकरण के लिए किया जाना चाहिये और प्रत्येक वस्तुपरक मद को प्रकट किया जाना चाहिये।

3.6 तुलन पत्र का प्रारूप और स्वरूप

तुलन पत्र प्राय: क्षैतिज (T फार्म) प्रारूप में तैयार किया जाता है जिसमें परिसंपत्तियों को दायीं ओर पूँजी एवं देयताओं को बायीं ओर दर्शाया जाता है। कंपनियों की स्थिति में स्थायित्व आधार पर परिसंपत्तियों और दायित्वों को व्यवस्थित किया जाता है। इसी कारण समस्त स्थायी दीर्घकालीन परिसंपत्तियाँ और पूँजी एवं देयताओं को प्रारंभिक शेष पर दर्शाया जाता है और तरल परिसंपत्तियों और देयताओं को पंजीकृत कंपनियों के लिए यह आवश्यक है कि वे तुलन पत्र में परिसंपत्तियों एवं देयताओं के अभिलेखन के लिए कंपनी अधिनियम की अनुसूची VI भाग 1 का अनुसरण करें। कंपनी अधिनियम के अनुच्छेद 211(i) के अनुसार तुलन पत्र का निर्माण निर्धारित प्रारूप में समान्य निर्देशों के तहत अंत में दिये जाने वाले टिप्पणी सहित शीर्षों का अनुसरण करते हुए किया जाना चाहिए ताकि तुलन पत्र यथातथ्य एवं न्यायसंगत वित्तीय स्थिति दर्शा सके। यह प्रारूप बैंकिंग और बीमा कंपनियों पर लागू नहीं होता है। यह कंपनियाँ अपने विधान द्वारा निर्धारित प्रारूपों का अनुसरण करती हैं। कंपनी अधिनियम को अनुसूची VI भाग 1 के अनुसार तुलन पत्र का निर्धारित प्रारूप अध्याय 1 के परिशिष्ट में दिया गया है। यह ध्यान योग्य है कि कंपनी का तुलन पत्र क्षैतिज अथवा लम्बवत प्रारूप से तैयार किया जा सकता है जैसा कि नीचे दर्शाया गया है।

© NCERT not to be republished

तुलन पत्र का क्षैतिज प्रारूप

दिनांक............पर............(कंपनी का नाम) का तुलन पत्र

(1) पूर्ववर्ती वर्ष के लिए आंकड़े (रु.)	*(2) दायित्व*	*(3) चालू वर्ष के लिए आंकड़े (रु.)*	*(4) पूर्ववर्ती वर्ष के लिए आंकड़े (रु.)*	*(5) परिसंपत्तियाँ (रु.)*	*(6) चालू/वर्ष के लिए आंकड़े (रु.)*
	अंश पूँजी–			स्थिर परिसंपत्तियाँ–	
	अधिकृत:			ख्याति	
	अधिमान			भूमि	
	समता			भवन	
	निर्गमित–			गृह परिसर	
	अधिमान			रेल साइडिंग	
	समता			प्लांट एवं मशीनरी	
	घटाया: बकाया मांग			फर्नीचर	
	जोड़ा: जब्त अंश			एकस्व एवं व्यापार चिंह	
				पशुधन	
	आरक्षित एवं			वाहन	
	अधिशेष–			**निवेश–**	
	पूँजी आरक्षित			सरकारी या	
	पूँजी मोचन			न्यास प्रत्याभूति	
				अंश, ऋणपत्र	
	आरक्षित			बांडस (बंध-पत्र)	
	अंश प्रीमियम			**चालू परिसंपतियाँ,**	
	अन्य आरक्षित			**ऋण एवं अग्रिम–**	
	लाभ व हानि			**(क) चालू परिसंपत्तियाँ–**	
	खाता			प्रोद्भूत ब्याज	
	सुरक्षित ऋण:			स्टोर्स एवं स्पेयर पार्ट्स	
	ऋणपत्र			खुले औजार	
	बैंक से ऋण			विक्रय माल	
	और अग्रिम राशि			चालू काम	
				विविध देनदार	
	नियंत्रित कंपनियों			रोकड़ एवं बैंक शेष	
	से अन्य ऋण			**(ख) ऋण एवं अग्रिम–**	
	एवं अग्रिम राशि			नियंत्रित कंपनियों हेतु	
				अग्रिम एवं ऋण	
				प्राप्य विपत्र	
				अग्रिम भुगतान	

© NCERT not to be republished

	असुरक्षित ऋण–			**विविध व्यय**	
	मियादी जमा			**प्रारंभिक व्यय**	
	नियंत्रित कंपनियों से			अंशों एवं ऋणपत्रों के	
	ऋण और अग्रिम राशि			निर्गम पर छूट	
	अल्पावधि ऋण			अन्य अस्थगित व्यय	
	एवं अग्रिम राशि			***लाभ व हानि खाता***	
	अन्य ऋण एवं			**(नाम शेष, यदि कोई है)**	
	अग्रिम राशि				
	चालू दायित्व एवं				
	प्रावधानः				
	क. चालू दायित्वः				
	प्राप्तियाँ				
	विविध लेनदार				
	बकाया व्यय				
	ख. प्रावधानः				
	कराधान के लिए				
	लाभांश के लिए				
	प्रासंगिकताओं के लिए				
	भविष्य निधि				
	योजनाओं के लिए				
	बीमा, पेंशन तथा अन्य				
	ठीक इसी प्रकार				
	के लाभों के लिए				

एक तुलन पत्र को संक्षेप प्रपत्र में भी प्रस्तुत किया जा सकता है, जिसे नीचे दर्शाया गया है–

संक्षिप्त तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
1. अंश पूँजी		1. स्थिर परिसंपत्तियाँ	
2. आरक्षित एवं अधिशेष		2. निवेश	
3. रक्षित ऋण		3. चालू परिसंपत्तियाँ	
4. अरक्षित ऋण		ऋण और अग्रिम राशि	
5. चालू दायित्व एवं प्रावधान		(क) चालू परिसंपत्तियाँ	
(क) चालू परिसंपत्तियाँ		(ख) ऋण एवं अग्रिम	
(ख) प्रावधान		4. विविध खर्च	
		5. लाभ व हानि खाता (नाम शेष, यदि कोई है)	

© NCERT not to be republished

तुलन पत्र का लम्बवत प्रारूप

..................का.................(तिथि) को तुलन पत्र

	अनुसूची सं.	*चालू वर्ष के अंत में आंकड़े*	*गत वित्तीय वर्ष के अंत में आंकड़े*
I. निधि का स्रोत			
1. अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी		xxx	xxx
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		xxx	xxx
निवल संपत्ति या अंश धारक निधि		**xxx**	**xxx**
2. ऋण निधिः			
(क) रक्षित ऋण		xxx	xxx
(ख) असुरक्षित ऋण		xxx	xxx
योग (पूँजी नियोजित)		**xxx**	**xxx**
II. निधियों का उपयोग			
1. स्थिर परिसंपत्तियाँः			
(क) सकल खंड		xxx	xxx
(ख) *घटाया*–मूल्यह्रास		(xxx)	(xxx)
(ग) निवल खंड		xxx	xxx
(घ) पूँजी चालू काम		xxx	xxx
		xxxx	**xxxx**
2. निवेशः		xxx	xxx
3. चालू परिसंपत्तियाँ तथा ऋण और अग्रिम राशिः			
(क) माल सूची		xxx	xxx
(ख) विविध देनदार		xxx	xxx
(ग) रोकड़ व बैंक शेष		xxx	xxx
(घ) अन्य चालू परिसपंत्तियाँ		xxx	xxx
(च) ऋण एवं अग्रिम राशि		xxx	xxx
घटायाः चालू दायित्व एवं प्रावधान		**xxx**	**xxx**
(क) चालू दायित्व		(xxx)	(xxx)
(ख) प्रावधान		(xxx)	(xxx)
		xxx	**xxx**
निवल चालू परिसंपत्तियाँ			
4. (क) फुटकर खर्च जिन्हे अपलिखित अथवा समायोजित नहीं किया गया है।		xxx	xxx
(ख) लाभ व हानि खाता (नाम शेष, यदि है तो)		xxx	xxx
योग		**xxxx**	**xxxx**

© NCERT not to be republished

अनुसूचियाँ, लेखांकन नीतियाँ तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाएँ आदि तुलन पत्र का एक भाग है। अनुसूची VI के भाग I के अन्तर्गत अपेक्षित सभी सूचनाएँ अनुसूची में समाहित होती है जिसके अंतर्गत निवेश, स्थिर परिसंपत्तियाँ, लेनदार, उधार आदि आते हैं।

3.6.1 दायित्व पक्ष

1. *अंश पूँजी:* तुलनपत्र में दायित्व पक्ष का यह सबसे पहला मद तथा यह अधिकृत पूँजी, निर्गमित पूँजी, चुकता पूँजी को प्रत्येक प्रकार के अंशों के लिए उनकी संख्या और राशि के साथ प्रदर्शित किया जाता है। इसके साथ साथ अदत्त माँग और जब्त अंशों को विवरण भी होता है जिसके संबंध में अध्याय 1 में बताया जा चुका है।
2. *आरक्षित एवं अधिशेष:* इस मद के अंतर्गत विभिन्न आरक्षित निधियाँ होती है जैसे कि पूँजी आरक्षित, पूँजी मोचन आरक्षित, अंश प्रीमियम खाते का शेष, समान्य आरक्षित लाभ व हानि खाते का जमा शेष अन्य आरक्षित प्रत्येक की प्रकृति और राशि बताते हुए जिसमें चालू वर्ष में जमा शेष साम्मिलत है।
3. *रक्षित ऋण :* दीर्घ कालीन ऋण, जिन्हे किसी ऋणभार पर लिया जाता है, इस वर्ग में सम्मिलत होते हैं। ऋणपत्र और रक्षित ऋण, बैंकों से अग्रिम धनराशि आय इस वर्ग में आते हैं। और इस शीर्षक के अंतर्गत पृथ्क रूप से दिखाए जाते हैं।
4. *अरक्षित ऋण***:** जिन ऋणों एवं उधारों को बिना किसी ऋणभार के लिया जाता है उन्हें इस शीर्षक के अंतर्गत प्रदर्शित किया जाता है इस मद के अन्तर्गत आवधिक जमा, तथा नियंत्रित कंपनियों से ऋण एवं उधार, अन्य स्रोतों से प्राप्त ऋणों एवं उधार को सम्मिलित किया जाता है। बैंक तथा अन्य से प्राप्त ऋणों को भी इस श्रेणी में शामिल किया जाता है।
5. *चालू दायित्व एवं प्रावधान:* ऐसे दायित्व जो कि एक वर्ष की अवधि में परिपक्व होते हैं। इनके अंतर्गत प्राप्तियाँ विविध देनदार, अग्रिम भुगतान तथा असमाप्त तथा अन्य दायित्व शामिल हैं। आगम लाभ में से एक हिस्सा जिसका प्रयोग विशिष्ट दायित्वों के एक वर्ष की अवधि के अन्दर भुगतान हेतु किया जाता है, प्रावधान कहलाते है। इससे काराधान हेतु प्रावधान, प्रस्तावित लाभांश, भविष्य निधि हेतु प्रावधान, बीमा हेतु प्रावधान, आदि शामिल हैं।

3.6.2 परिसंपत्तियाँ पक्ष

I. *स्थिर परिसंपत्तियाँ*– स्थिर परिसंपत्तियों पर अर्जित खर्च जिसमें ख्याति, भूमि, भवन, पटटा, प्लॉट व मशीनरी, रेल साइडिंग, फर्नीचर और फिटिंग एकस्व, पशुधन, वाहन आदि, शामिल हैं, पृथक रूप से दर्शाये जाते हैं। इन परिसंपत्तियों को उपयुक्त तिथि तक लागत में से ह्रास घटा कर दर्शाया जाता है।

2. *निवेश*– इस शीर्ष के अंतर्गत विभिन्न निवेशों, जैसे कि सरकारी प्रत्याभूतों या न्यास प्रतिभूतियों में निवेश तथा अंश, ऋणपत्र, बंधपत्र तथा अचल परिसंपतियाँ आदि में किया गया निवेश आता है। इन्हें तुलनपत्र में अलग दर्शाया जाता है।

© NCERT not to be republished

3. *चालू परिसंपत्तियाँ ऋण एवं अग्रिम राशि*– चालू परिसंपत्तियाँ जिसमें निवेश पर प्रोदभूत ब्याज, माल सूची, विविध देनदार, प्राप्य विपत्र, रोकड़ और बैंक शेष और अन्य अग्रिम धनराशि जैसे पूर्वदत्त व्यय आदि शामिल हैं।
4. *फूटकर खर्चे*– वे खर्चे जो पूर्णत: अपलिखित नहीं किये गए है, उनका शेष इस शीर्षक के अंदर दर्शाया जाता है। इनमें प्रारंभिक व्यय विज्ञापन व्यय, ऋणपत्रों और अंशों के निर्गम पर बट्टा, अंश निर्गम व्यय आदि शामिल है।
5. *लाभ व हानि खाता*– जब लाभ व हानि खाता नाम शेष दर्शाता है अर्थात हानि जिसका समायोजन समान्य आरक्षित पर नहीं किया जा सकता, तो इसे परिसंपत्ति पक्ष की ओर अंतिम मद के रूप में दिखाते है।

स्वयं जाँचिये–2

(क) आरक्षित और आधिशेष शीर्ष के अंतर्गत कौन सी मदें आती हैं।

....

....

....

....

(ख) फुटकर खर्चो शीर्ष के अंतर्गत कौन सी मदें आती हैं।

....

....

....

....

(ग) निम्नलिखित में मिलान करें।

1. सकल लाभ	(i)	वित्तीय विवरण पर व्याख्यात्मक टिप्पणी	( )
2. प्रचालन लाभ	(ii)	कंपनी द्वारा प्राप्य राशि	( )
3. विविध देनदार	(iii)	कंपनी द्वारा देय राशि	( )
4. विविध लेनदार	(iv)	विक्रय-बेचे गये माल की लागत	( )
5. अनुसूचियाँ	(v)	सकल लाभ - प्रचालन व्यय	( )
6. निवल लाभ	(vi)	प्रचालन लाभ - ब्याज और कर	( )

© NCERT not to be republished

प्रदर्श - I

एशियन पेन्टस (इंडिया) लि.
31, मार्च 2005 को तुलन पत्र

(रु. मिलियन में)

	अनुसूचीयाँ		**31.3.2005 को**	**31.3.2004 को**
विनियोजित निधि				
अंश धारक निधि				
अंश पूँजी	A	959.20		959.20
आरक्षित और अधिशेष	B	4,763.00		4,356.21
			5,722.20	5,315.41
ऋण निधि	C			
रक्षित ऋण		283.65		229.23
अरक्षित ऋण		555.12		475.50
			838.77	704.73
स्थगित कर दायित्व (निवल)			305.38	486.56
(देखें अनुसूचीय टिप्पणी B-27)				
योग			**6,866.35**	**6,506.70**
निधि का उपयोग				
स्थायी परिसंपत्ति	D			
सकल खंड		7,127.04		6,511.93
घटाया: मूल्यह्रास परिशोधन, हानिकरण		4,014.73		3,106.49
निवल लाभ		3,112.31		3,405.44
जोड़ा: पूँजी कार्य प्रगति पर		82.78		38.89
			3,195.09	3,444.33
निवेश	E		2,584.27	2,424.84
चालू परिसंपत्तियाँ ऋण और अग्रिम	F			
निवेश पर प्रोदभूत ब्याज		0.03		0.83
माल सूची		3,307.89		2,114.90
विविध देनदार		1,489.63		1,379.20
रोकड़ और बैंक शेष		210.42		245.53
अन्य प्राप्त		190.12		81.45
ऋण और अग्रिम		727.25		787.88
		5,925.34		4,609.79
घटाया: चालू परिसंपत्तियाँ और प्रावधान	G			
चालू दायित्व		3,721.32		3,087.23
प्रावधान		1,117.03		885.03
		4,838.35		3,972.26
निवल चालू परिसंपत्तियाँ			1.086.99	637.53
योग	M		**6,866.35**	**6,506.70**

© NCERT not to be republished

क्रमगत

एशियन पेन्टस (इंडिया) लि.
वर्षान्त 31, 2005 को लाभ व हानि खाता

(Rs. In Millions)

	अनुसूचीयाँ	2004-2005 को	2003-2004 को
आय			
विक्रय और प्रचालन आय (बटटे से निवल)	H	22,553.86	19,531.92
घटाया – उत्पाद कर		3,138.71	2,565.46
विक्रय और प्रचालन आय (बटटे और उत्पाद कर से निवल)		19,415.15	16,966.46
अन्य आय		316.14	216.77
खर्च		19,731.29	17,183.23
उपयोग किया गया माल	J	11,154.04	9,441.50
कर्मचारी क्षतिपूर्ति और लाभ	K	1,179.30	1,015.56
विनिर्माण प्रशासिनिक, विक्रय और वितरण व्यय	L	4,144.05	3,814.02
		16,477.39	14,271.08
ब्याज, मूल्यह्रास विशिष्ट मदे, और कर से पूर्व लाभ		3,253.90	2,912.15
घटाया: ब्याज (अनुसूची M, टिप्पणी B-17)		27.54	52.65
घटाया: मूल्यह्रास/परिशोधन (अनुसूची M, टिप्पणी B-19)	D	476.05	480.10
कर और विशिष्ट मदों से पूर्व लाभ		2,750.31	2,379.40
घटाया: विशिष्ट मदें (अनुसूची M, टिप्पणी B-23)	42.31	68.06	
कर से पूर्व लाभ		2,708.00	2,311.34
घटाया: चालू कर हेतु प्रावधान		988.00	880.00
घटाया: स्थगित कर दायित्व हेतु प्रावधान (अनुसूची M, टिप्पणी B-27)		(18.16)	(44.46)
कर और पूर्व अवधि मदों के पश्चात लाभ		1,738.16	1,475.80
जोड़ा (घटाया) पूर्व अवधि मदें		(3.34)	2.07
कर के पश्चात लाभ		1,734.82	1,477.87
जोड़ा आगे लाया गया लाभ व हानि खाते का शेष			
पेनटासिया इंवेस्टमेन्ट लि. का सविलय		—	8.40
जोड़ा: जोड़ा गत वर्ष से आगे लाीया गया लाभ		820.00	720.00
वितरण के लिए लाभ		2,554.82	2,206.27
उपरोक्त लाभ का वितरण			
लाभांश: समता अंश — अंतरिम		383.69	335.73
अंतिम		527.56	479.60
लाभांश पर कर		125.36	104.47
समान्य आरक्षित में हस्तांतरण		518.21	466.47
तुलन पत्र में लाया गया शेष		1,000.00	820.00
		2,554.82	2,206.27
प्रति अंश अर्जन (रु.) आधारमूत और मन्द		18.53	16.12
अनुसूची M, टिप्पणी B-30)	M		

© NCERT not to be republished

3.7 कुछ विशिष्ट मदें

कंपनी के वित्तीय विवरणों से संबंधित कुछ ऐसी मदें होती हैं जिनके अंतिम खाते तैयार करते समय सही व्यवहार सुनिश्चित करना आवश्यक होता है। ऐसी कुछ मदों को पिछले अध्याओं में स्पष्ट किया जा चुका है जैसे कि अंश पूँजी, अंशों के निर्गम पर बट्टा प्रतिभूति प्रीमियम, बकाया मांग, अग्रिम मांग, जब्त अंश ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा (अथवा हानि) आदि। कुछ अन्य विशिष्ट मदों की प्रकृति और व्यवहार की व्याख्या नीचे की गई है।

(अ) *प्रारंभिक व्यय* – यह व्यय कंपनी के स्थापना के समय किये जाते हैं। जैसे कि विविध प्रपत्रों की छपाई की लागत ऐसे दस्तावेज़ों को तैयार करने के लिए वकील को दी गई फीस स्टाम्प शुल्क पंजीकरण और नत्थीकरण व्यय आदि। इन मदों पर किये गये व्यय प्रारंभिक व्यय शीर्षक के अंतर्गत लिखे जाते हैं। वार्षिक अपलिखित राशि को लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष की ओर लिखा जाता है और शेष राशि तुलन पत्र की परिसंपत्ति पक्ष की ओर विविध व्यय शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

(ब) *अंशों और ऋणपत्रों के निर्गम पर व्यय* – जब अंश और ऋणपत्र सार्वजनिक रूप से निर्गमित किये जाते हैं तब कंपनी द्वारा विवरण पत्रिका के निर्माण एवं प्रिंटिग, निर्गम पर विज्ञापन, श्रेष्ठी बैंकर शुल्क, दलाली आदि के लिए व्यय उठाने पड़ते हैं। ऐसे व्ययों को पूँजीकृत एवं 3 से 5 वर्षों तक अपलिखित किया जाता है और प्रारंभिक व्ययों की भांति व्यवहार और प्रस्तुत किया जाता है।

ऋणपत्रों पर ब्याज –ऋणपत्रों पर देय ब्याज ऋणपत्रों के साथ बराबर लिखा गया होता है जिसका भुगतान अर्धवार्षिक आधार पर होता है – सितंबर 30 और मार्च 31 (अथवा जून 30 और दिसंबर 31)। ऋणपत्रों पर ब्याज की अर्धवार्षिक भुगतान राशि तुलन पत्र पर दर्शायी जाती है। इससे आशय है कि शेष आधे वर्ष के लिए प्रावधान उस स्थिति में भी तैयार किया जाना चाहिए यदि समायोजनों में विशेष रूप से उल्लेखित है। अथवा नहीं। दूसरे शब्दों में संपूर्ण वर्ष के ऋणपत्र ब्याज को लाभ व हानि खाते पर प्रभारित किया जाता है और न भुगतान किया हुआ ब्याज, यदि है तो, तुलन पत्र के दायित्व पक्ष की ओर बकाया ब्याज के रूप में दर्शाया जाता है।

(द) *कर के लिए प्रावधान* – इससे आशय आयकर के प्रावधान से है (निगम कर) जोकि लाभ पर प्रभार है और लाभ व हानि खाते को नाम और कर हेतु प्रावधान खाते को जमा कर तुलन पत्र के दायित्व पक्ष की ओर चालू देयताओं और प्रावधान शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

(घ) *लाभांश* – लाभांश लाभों का वह भाग है जो अंशधारियों में बाँटा जाता है। एक लेखांकन वर्ष के लिए लाभांश कंपनी की वार्षिक समान्य गोष्ठी में वार्षिक रिपोर्ट की स्वीकृति के समय घोषत किया जाता है और लाभ व हानि खाते (नाम पक्ष पर) के विनियोजन भाग और तुलन पत्र के दायित्व पत्र की ओर चालू देयताओं और प्रावधान शीर्षक के अंतर्गन दर्शाया जाता है।

कभी-कभी कंपनियाँ लेखांकन वर्ष के दौरान लाभों के पूर्वानुमान के आधार पर लाभांश घोषित और भुगतान करती है। इसे अंतरिम लाभांश कहते हैं। चूँकि भुगतान हो चुका होता है इस राशि को लाभ व हानि खाते (नाम पक्ष में) के विनियोजन भाग की तरह दर्शाया जाता है। ऐसी स्थिति में अंतरिम

लाभांश के अतिरिक्त घोषित लाभांश जोकि वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करते समय करे, अंतरिम लाभांश कहते हैं तथा इसका व्यवहार प्रस्तावित लाभांश की तरह ही किया जाता है यहाँ ध्यान योग्य है कि बकाया माँग पर को लाभांश देय होता है। लाभांश की कोई राशि अंतरिम अथवा अंतिम जो कि अस्वामित्व है को चालू देयताओं शीर्षक के अंतर्गत अस्वामित्व लाभांश के रूप में दर्शाया जाता है। इस स्थिति में एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष लाभांश कर का भुगतान है। चूँकि लाभांश अंशधारियों के लिए कर मुक्त राशि है कंपनी को निर्धारित दर लाभांश पर कर का भुगतान करना होता है जिसे निगम लाभांश कर कहते हैं। तथा इसके लिए प्रावधान तैयार किया जाता है। इस राशि को लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष की और विनियोजन भाग पर तुलन पत्र पर चालू देयताओं और प्रावधान शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

(फ) संचय में हस्तांतरण–स्थिर रूप से कंपनियाँ लाभों का एक भाग आरक्षित करती हैं। समान्य आरक्षण और अन्य विशिष्ट आरक्षण में हस्तांतरित राशि को लाभ व हानि खाते के विनियोजन भाग में और तुलन पत्र में संचय और आधिक्य शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

उदाहरण 1

बिग एंड कं॰ एक प्राधिकृत पूँजी 5,00,000 रु. की कंपनी है जो 5,000 इक्विटी अंश में 100 रु. प्रति अंश के साथ विभाजित है। 31.12.2005 को 2,500 अंशों का पूर्णत: आहुत कर लिया गया।

दिनांक 31.12.2005 के अनुसार कंपनी के बही खाते से शेष निष्कर्ष निम्नवत् है–

	(रु.)		(रु.)
स्टॉक	50,000	विज्ञापन	3,800
विक्रय	4,25,000	बोनस	10,500
क्रय	3,00,000	देनदार	38,700
मजदूरी (उत्पादन)	70,000	लेनदार	35,200
प्रदत्त बट्टा	4,200	संयंत्र व मशीनरी	80,500
प्राप्त बट्टा	3,150	फर्नीचर	17,100
31.3.2006 तक बीमा भुगतान	6,720	रोकड़ व बैंक	1,34,700
वेतन	18,500	सामान्य आरक्षित	25,000
किराया	6,000	प्रबंध निदेशक से ऋण	15,700
सामान्य व्यय	8,950	डूबत ऋण	3,200
लाभ व हानि खाता (जमा शेष)	6,220	बकाया माँग	5,000
छपाई और लेखन सामग्री	2,400		

© NCERT not to be republished

वर्षान्त दिसंबर 31, 2005 के लिये व्यापारिक एवं लाभ व हानि खाता तथा उसी तिथि के लिए कंपनी का तुलन पत्र तैयार करें। निम्नलिखित अतिरिक्त जानकारी नीचे दी जा रही है– (1) अंतिम स्टॉक 91500 रु. (2) सयंत्र एवं फर्नीचर पर मूल्यह्रास को क्रमशः 15% तथा 10% बदल कर किया गया। (3) बकाया दायित्वः– मजदूरी 5,200 रु., वेतन 1,200 रु. तथा किराया 6,000 रु. (4) लाभांश 5% की दर से अंश पूँजी पर प्रावधान किया गया है।

हल

बिग एंड कं॰ लि॰ व्यापारिक एवं लाभ व हानि खाता
वर्षान्त 31 दिसंबर 2005 के लिए

व्यय/हानियाँ		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
प्रारंभिक स्टॉक		50,000	बिक्री	4,25,000
क्रय		3,00,000	अंतिम स्टॉक	91,500
मजदूरी	70,000			
जोड़ाः बकाया मजदूरी	5,200	75,200		
सकल लाभ आ/ले		91,300		
		5,16,500		**5,16,500**
वेतन	18,500			
जोड़ाः बकाया	1,200	19,700	सकल लाभ आ/ला	91,300
प्रदत्त बटटा		4,200	प्राप्य छूट	3,150
बीमा	6,720			
घटायाः पूर्वदत्त बीमा	(1,680)			
		5,040		
किराया	6,000			
जोड़ाः बकाया किराया	600	6,600		
समान्य व्यय		8,950		
छपाई और लेखन सामग्री		2,400		
विज्ञापन		3,800		
बोनस		10,500		
डूबत ऋण		3,200		
मूल्यह्रास :				
सयंत्र एवं मशीनरी	12,075			
फर्नीचर	1,710			
		13,785		
निवल लाभ आ/ले		16,275		
		94,450		**94,450**
प्रस्तावित लाभांश 5% की दर से 2,45,000 रु. पर (बकाया मांग को छोड़ कर)		12,250	वर्ष के लिए निवल लाभ आ/ला शेष	16,275
शेष आ/ले		10,245	आ/ला शेष	6,220
		22,495		**22,495**

© NCERT not to be republished

31 दिसंबर 2005 पर तुलन पत्र

दायित्व		*(रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*(रु.)*
अंश पूँजी			**स्थायी परिसंपत्तियाँ**		
***अधिकृत*-**			संयंत्र और मशीनरी	80,500	
5,000 अंश प्रत्येक अंश 100 रु.		5,00,000	*घटाया:* मूल्यह्रास	(12,075)	68,425
निर्गमित एवं अभिदत्त-					
100 रु. के 2,500 अंश			फर्नीचर	17,100	
पूर्णत: मांगी पूंजी	2,50,000		*घटया:* मूलह्रास	(1,710)	15,390
***घटाया*-** बकाया मांग	(5,000)	2,45,000			
		2,45,000			
आरक्षित और अधिशेष			**निवेश**		शून्य
सामान्य आरक्षित		25,000	**चालू परिसंपत्तियाँ**		
लाभ व हानि खाता		10,245	**ऋण और उधार**		
			(अ) चालू परिसंपत्तियाँ:		
			स्टॉक (लागत पर)		91,500
			देनदार		38,700
			रोकड़ और बैंक शेष		1,34,700
			(ख) ऋण व अग्रिम :		
			पूर्वदत्त बीमा		1,680
सुरक्षित ऋण		शून्य	**फूटकर खर्च**		
असुरक्षित ऋण			**(जिन्हें समायोजित**		
प्रबंध निदेशक से ऋण		15,700	**नहीं किया गया है)**		
(क्रल्यित अरक्षित)			लाभ व हानि खाता (नाम)		शून्य
चालू दायित्व व प्रावधान					
(क) चालू दायित्व					
लेनदार		35,200			
बकाया खर्चे					
(मजदूरी, वेतन व किराया)		7,000			
(ख) प्रावधान					
प्रस्तावित लाभांश		12,250			
		3,50,395			**3,50,395**

© NCERT not to be republished

उदाहरण 2

निचे दिया गया तुलन पत्र 30 जून 2006 को वैभती क. लि. का है

	(रु.)	(रु.)
स्टॉक 30 जून 2005 को	75,000	
विक्रय	–	3,50,000
क्रय	2,45,000	–
मजदूरी	50,000	–
बट्टा	–	5,000
फर्नीचर व फिटिंग्स	17,000	–
वेतन	7500	–
किराया	4,950	–
विविध व्यय	7,050	–
30 जून 2005 को लाभ व हानि विनियोग खाता	–	15,030
लाभांश प्रदत्त	9,000	
अंश पूँजी	–	1,00,000
देनदार एवं लेनदार	37,500	17,500
संयंत्र व मशीनरी	29,000	–
रोकड़ व बैंक शेष	16,703	–
समान्य आरक्षित	–	16003
एकस्व व व्यापार चिन्ह	4,830	–
	5,03,533	**5,03,533**

वर्षान्त 30 जून 2006 के लिए व्यापारिक खाता, लाभ व हानि खाता, लाभ व हानि विनियोग खाता तथा इसी तिथि पर तुलन पत्र तैयार कीजिए। निम्नलिखित समायोजन को ध्यान में रखें:

1. 30 जून 2006 को स्टॉक को 82,000 रु. पर मूल्यांकित किया गया।
2. स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास 10% की दर से लगाया गया
3. निवल लाभ के @ 50% दर से आयकर का प्रावधान बनाएं।

© NCERT not to be republished

हल

वैभवी कं॰ लिमिटेड वर्षान्त 30 जून 2006 को
लाभ व हानि खाता

व्यय/हानियाँ	राशि (रु.)	आगम/अधिलाभ	राशि (रु.)
प्रारंभिक स्टॉक	75,000	विक्रय	3,50,000
क्रय	2,45,000	अंतिम स्टॉक	82,000
मजदूरी	50,000		
सकल लाभ आ/ले	62,000		
	4,32,000		**4,32,000**
वेतन	7,500	सकल लाभ आ/ला	62,000
किराया	4,950	बट्टा	5,000
विविध व्यय	7,050		
मूलय ह्रास–			
संयंत्र और मशीनरी	2,900		
एकस्व एवं व्यापार चिन्ह	483		
फर्नीचर और फिटिंग्स	1,700		
आयकर के लिये प्रावधान	21,209		
निवल लाभ आ/ले	21,208		
	67,000		**67,000**
लाभांश का भुगतान	9,000	शेष आ/ला	15,030
शेष आ/ले	27,238	चालू वर्ष के लिए निवल लाभ	21,208
	36,238		**36,238**

30 जून 2006 को वैभवी कं॰ लि॰ का
तुलन पत्र

दायित्व	(रु.)	परिसंपत्तियाँ		(रु.)
अंश पूँजी	1,00,000	**स्थायी परिसंपत्तियाँ**		
अधिकृत		संयंत्र व मशीनरी	29,000	
.... अंश		*घटाया:* मूल्यह्रास	(2,900)	
रु. .... प्रत्येक				26,100
निर्गमित		फर्नीचर और फिटिंग्स	17,000	
.... अंश		*घटाया:* मूल्यह्रास	(1,700)	15,300
रु. .... प्रत्येक				
		एकस्व एवं व्यापार धिल	4,830	
		घटाया: मूल्यह्रास	(483)	4,347

© NCERT not to be republished

आरक्षित और अधिशेष		**चालू परिसंपत्तियाँ**	
सामान्य आरक्षित	16,003	स्टॉक	82,000
लाभ व हानि खाता	27,238	देनदार	37,500
		बैंकस्थ रोकड़	16,703
चालू दायित्व एवं प्रावधान			
लेनदार	17,500		
कराधान के लिए प्रावधान	21,209		
	1,81,950		**1,81,950**

नीचे दिया गया उदाहरण 3 कंपनियों के संदर्भ में लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र के निर्माण प्रक्रिया की व्याख्या करता है।

उदाहरण 3

महावीर मैन्यूफैक्चरिंग कं॰ लिमिटेड 25,00,000 रु. की पूँजी के साथ पंजीकृत है जो 10 रु. प्राप्ति मार्च 31, 2006 को कंपनी की पुस्तकों के अनुसार खाता शेष इस प्रकार थे।

विवरण	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
संयंत्र व मशीनरी	9,00,000	माल भाड़ा	42,750
स्टॉक (1.4.2005) को	2,87,500	ख्याति	1,90,250
फिक्सचर	18,000	मजदूरी	1,77,000
विविध देनदार	3,47,500	हस्तस्थ रोकड़	15,875
भवन	6,00,000	बैंकस्थ रोकड़	85,750
क्रय	3,62,500	निदेशक फीस (शुल्क)	10,350
अंतरिम लाभांश का भुगतान	28,750	डूबत ऋण	9,275
सामान्य व्यय	30,250	वेतन	48,250
ऋणपत्र ब्याज	22250	6% ऋणपत्र	7,50,000
देय विपत्र	45,000	विक्रय	10,87,500
सामान्य आरक्षित	66250	संदिग्ध ऋणों हेतु प्रावधान	1,50,000
लाभ व हानि खाता (जमा)	86,250	4% सरकारी बंधपत्र	10,000
अंश पूँजी	12,50,000	विविध लेनदार	80,000
बकाया मांग	38,750	प्रारंभिक व्यय	10,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च 2006 को स्टॉक को 2,02,500 रु. पर मूल्यांकित किया गया। निम्नलिखित समायोजन किये जाने हैं–

1. संयंत्र एवं मशीनरी पर 10% तथा फिक्सचर पर 5% की दर से मूल्यह्रास लगाया गया।
2. अंतरिम लाभांश 5% की दर से दिया गया।
3. प्रारंभिक व्ययों को 25% बट्टे खाते में डाला गया।
4. विविध देनदारों के लिए 8,215 रु. का प्रावधान किया गया है।
5. 20,000 रु. की राशि सामान्य आरक्षित में हस्तांतरित किया गया।
6. 6,500 रु. की सीमा तक आयकर के लिए प्रावधान किया गया।

आप को लाभ व हानि खाता, लाभ व हानि विनियोजन खाता तथा तुलन पत्र वषांन्त 31 मार्च 2006 के लिये तैयार करें।

हल

महावीर मैन्यूफैक्चरिंग क. लि॰ लाभ व हानि खाता
वर्षान्त 31 मार्च 2006 को

नाम *जमा*

व्यय/हानियाँ		*राशि* (रु.)	*आगम/अधिलाभ*	*राशि* (रु.)
स्टॉक (अप्रेल 1, 05 को)		2,87,500	विक्रय	10,87,500
क्रय		3,62,500	अंतिम स्टॉक	2,02,500
मजदूरी		1,77,000		
मालभाड़ा		42,750		
सकल लाभ आ/ले		4,20,250		
		12,90,000		**12,90,000**
वेतन		48,250	सकल लाभ आ/ले	4,20,250
सामान्य व्यय		30,250	ब्याज	6,000
ऋणपत्र ब्याज का भुगतान	22,250			
जोड़ा: बकाया	22,750	45,000		
निदेशक फीस		10,350		
प्रारंभिक व्यय (25%)		2,500		
मूल्यह्रास:				
संयंत्र एवं मशीनरी @ 10%	90,000			
फिक्सचर @ 5%	900	90,900		
डूबत ऋण	9,275			
जोड़ा: संदिग्ध ऋणों				
के प्रावधान	8,125			
	17,400			
घटाया: वर्तमान प्रावधान	(10,000)	7,400		
कराधान के लिये प्रावधान		65,500		
निवल आ/ले		1,26,100		
		4,26,250		**4,26,250**

© NCERT not to be republished

लाभ व हानि विनियोग खाता

नाम जमा

	रु.		रु.
सामान्य आरक्षित	20,000	शेष आ/ला	86,250
अंतरिम लाभांश	28,750	चालू वर्ष के लिए	1,26,100
प्रस्तावित लाभांश	60,562	निवल लाभ	
शेष आ/ले	1,03,038		
	2,12,350		**2,12,350**

सूचना :

1. 7,50,000 रु. के ऋणपत्रों पर 6% की दर से ब्याज 45,000 रु. आया जो कि पहले ही 2,250 रु. प्रदत्त किया गया। शेष 22,750 रु. को बकाये के रूप में माना गया।
2. चुकता अंश पूँजी 12,50,000 – 38750 रु. (बकाया माँग)= 12,11,250 रु. है जिस पर 5% की दर से अंतिम लाभ 60,562.50 रु. होता है।

महावीर मैन्यूफैक्चरिंग कं॰ लि॰ का तुलन पत्र
वर्षान्त 31 मार्च 2006 को

दायित्व		*(रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*(रु.)*
अंश पूँजी:			**स्थिर परिसंपत्तियाँ–**		
अधिकृत			ख्याति		1,90,250
10 रु. प्रत्येक के			भवन		6,00,000
2,50,000 अंश निर्गमित		25,00,000			
अभिदत्त एवं चुकता पूँजी:			संयंत्र एवं मशीनरी	9,00,000	
10 रु. प्रत्येक के			*घटाया*–मूल्यह्रास	(90,000)	
1,25,000 अंश निर्गमित	12,50,000				8,10,000
घटाया:			फिक्सचर	18,000	
बकाया मांग	(38,750)		*घटाया:* मूल्यह्रास	(900)	
		12,11,250			17,100
आरक्षित एवं अधिशेष:			**निवेश–**		
सामान्य आरक्षित	66,250		4% सरकारी बांड (बंध पत्र)		1,50,000
जोड़ा: लाभ व हानि					
खाते से हस्तांतरण	20,000				
		86,250			
लाभ व हानि खाते का शेष		1,03,038			

© NCERT not to be republished

सुरक्षित ऋण		**चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण**		
6% ऋण पत्र	45,000	**तथा अग्रिम राशि**		
		(क) चालू परिसंपत्तियाँ		
		बंध पत्र पर ब्याज		6,000
		व्यापार में स्टॉक		2,02,500
		विविध देनदार	3,47,500	
		घटाया: संदिग्ध ऋणों		
		के लिये प्रावधान	(8,125)	3,39,375
		हस्तस्थ रोकड़		15,875
		बैंकस्थ रोकड़		85,750
		(ख) ऋण एवं अग्रिम:		85,750
सुरक्षित ऋण	शून्य	**फुटकर खर्चे:**		
		प्रारंभिक व्यय	10,000	
		घटाया : अपलिखित	2,500	
				7,500
चालू दायित्व एवं				
प्रावधान				
(क) चालू दायित्व				
देय विपत्र	45,000			
विविध लेनदार	80,000			
ऋणपत्र ब्याज	22,750			
(ख) प्रावधान				
आयकर के लिए प्रावधान	65,500			
अंतिम प्रस्तावित लाभांश	60,562			
	24,24,350			**24,24,350**

© NCERT not to be republished

प्रदर्श 2

वर्षान्त मार्च 31, 2006 को ग्रासिम इण्डस्ट्रीस लिमिटिड का तुलन पत्र और लाभ व हानि खाता नीचे दिया गया है

ग्रासिम इण्डस्ट्रीस लिमिटेड

वर्षान्त मार्च 31, 2006 को तुलन पत्र

विवरण	*अनुसूची सं.*	*रु. करोड़ में गत वर्ष*		*रु. करोड़ में चालू वर्ष*
निधि का स्रोत				
अंश धारक निधि				
अंश पूँजी	1 A	91.67		91.67
अंश पूँजी अधिशेष	1 B	0.02		0.02
आरक्षित एवं अधिशेष	2	4,890.39		4,236.66
			4,982.08	4,328.35
ऋण निधि				
रक्षित ऋण	3	1,331.08		1,439.02
रक्षित ऋण	4	586.27		535.79
दस्तावेज़ी बिलों का बैंक से बटटा	5	62.32		33.53
			1,979.67	2008.34
स्थगित कर दायित्व			584.38	599.50
योग			**7546.13**	**6,936.19**
निधियों का उपयोग				
स्थिर परिसंपत्ति				
सकल खंड	6	6,114.12		5,897.04
घटाया: मूल्य ह्रास		3,109.49		2,848.17
निवल खंड		3,004.63		3,048.87
पूँजी चालू कार्य		293.64		145.94
			3,298.27	3,194.81
निष्पादन हेतु स्थिर परिसंपत्ति			12.76	13.73
निवेश	7		3,481.71	2,982.02
चालू परिसंपत्ति ऋण व उधार				
निवेश पर प्रोदभूत ब्याज		1.46		1.09
माल सूची	8	750.73		678.59
विविध देरदार	9	413.45		522.01
रोकड़ बैंक शेष	10	155.58		86.70
ऋण व अग्रिम	11	705.54		565.54
		2,026.76		8,044.49
घटाया:				
निवल दायित्व व प्रावधान				
दायित्व	12	969.15		827.89
प्रावधान	13	304.22		280.41
		1,273.37		1,108.30
शुद्ध चाूल परिसंपत्ति			753.39	745.63
योग			**7,546.13**	**6,936.19**
लेखांकन नीतियाँ और खातों पर टिप्पणी	22 – 23			

© NCERT not to be republished

प्रदर्श 3

ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ लिमिटिड
वर्षान्त मार्च 31, 2006 को लाभ व हानि खाता

विवरण	*अनुसूची*		*रु. करोड़ में गत वर्ष*	*रु. करोड़ में चालू वर्ष*
आय				
सकल विक्रय		7,607.20		7,201.06
घटाया उत्पाद शूल्क		986.69		971.80
निवल विक्रय			6,620.51	6,229.26
ब्याज और लाभांश आय	14		67.53	114.75
अन्य आय	15		136.71	72.44
स्टॉक में वृद्धि/कमी	16		(43.48)	100.67
			6,781.27	**6,517.12**
खर्च				
कच्चे माल का उपयोग	17		1,822.69	1,873.05
विनिर्माण व्यय	18		1,580.34	1,498.77
पुराने व अन्य सामान का क्रय			240.15	49.02
कर्मचारी हेतु भुगतान का प्रावधान	19		407.64	373.13
विक्रय वितरण प्रशासकीय व अन्य व्यय	20		1,139.59	938.46
ब्याज	21		97.32	138.76
मूल्य ह्रास और परिशोधन (अनुसूची 6 की टिप्पणी अ)			291.64	284.57
			5,579.37	**5,155.76**
कर पूर्व लाभ व विशिष्ट मदें			1,201.90	1,361.36
विक्रय कर ऋण के पूर्व भुगतान पर अधिशेष			4.13	34.35
निवेश और ऋण के मूल्य में कमी				(92.00)
कर पूर्व लाभ			1,206.03	1,303.71
चालू कर पर प्रावधान			(369.82)	(451.00)
आस्थगित कर			27.00	33.00
कर के बाद लाभ			863.21	885.71
ऋणपत्र शोधन आरक्षित (जिसकी आवश्यकता नहीं है)			8.62	6.86
निवेश भत्ता आरक्षित (जिसकी आवश्यकता नहीं है)			0.25	0.16
गत वर्ष का शेष जिसे आगे लाया गया है।			815.35	790.20
विनियोग हेतु लाभ			**1,687.43**	**1,682.93**
विनियोग:				
प्रस्तावित लाभांश			183.35	146.68
निगम लाभांश कर			25.71	20.90
सामान्य आरक्षित			600.00	700.00
तुलन पत्र हेतु शेष			878.37	815.35
			1,687.43	**1,682.93**
प्रति अंश अर्जन का आधार और मन्दी			**94.14**	**96.60**
लेखांकन नीतियाँ और खातों पर टिप्पणी	**22 – 23**			

© NCERT not to be republished

3.8 वित्तीय विवरणों की उपयोगिता एवं महत्त्व

वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं में प्रबंध, निवेशक, अंशधारक लेनदार, सरकार, बैंकर, कर्मचारी और *लोक जन* सम्मिलत हैं। वित्तीय विवरण इन सभी पक्षों को प्रबंध के निष्पादन संबंधी आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराते हैं और उपयुक्त आर्थिक निर्णय लेने में सहायक होते हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि वित्तीय विवरण वार्षिक रिपोर्ट का अनिवार्य भाग है जिसमें संचालक रिपोर्ट, अंकेक्षक रिपोर्ट, निर्गमन अधिशासन रिपोर्ट तथा प्रबंध व्याख्या और विश्लेषण शामिल हैं। वित्तीय वितरणों की उपयोगिताओं एवं महत्त्व को नीचे प्रस्तुत किया गया है।

1. *प्रबंधकों की संरक्षणता पर रिपोर्ट* – वित्तीय विवरण अंश धारकों के लिए प्रबंधकों की कार्यदक्षता की रिपोर्ट करते हैं। वित्तीय विवरणों की सहायता से प्रबंधन की कार्यदक्षता या निष्पादन तथा स्वामित्व की अपेक्षाओं के बीच अंतर को समझा जा सकता है।
2. *वित्त नीतियों के लिए आधार* – वित्तीय नीतियाँ, विशेष रूप से सरकार की कराधान नीतियाँ निर्गमित औद्योगिक संस्थान की कार्यदक्षता या निष्पादन से संबंद्ध होती हैं। इस तरह से, वित्तीय विवरण औद्योगिक कराधान तथा सरकार की अन्य आर्थिक नीतियों के लिए निविष्टि या निवेश प्रदान करते हैं।
3. *ऋणों की स्वीकृत के लिए आधार* – निर्गमित संस्थानों को बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों से विभिन्न उद्देश्यों हेतु ऋण उठाने पड़ते हैं। ऋणदाता संस्थान निगमों के वित्तीय निष्पादनों के आधार पर ऋण स्वीकृत करते हैं। अतः, वित्तीय विवरण ऋणों के स्वीकार के लिए आधार होते हैं।
4. *प्रत्याशित निवेशकों के लिए आधार* – निवेशकों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों प्रकार के निवेशक होते हैं। उनके निवेश के निर्णय में प्रमुख ध्यान देने योग्य बात अपने निवेश के लिए न्यायोचित लाभ के साथ सुरक्षा एवं तरलता होती है। वित्तीय विवरण निवेशकों को दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण शोधन क्षमता आकलन के साथ-साथ कारोबार की लाभदायकता को भी आँकने में सहायता देते हैं।
5. *पहले से ही किए निवेश के मूल्य हेतु दिशा निर्देशक* – कंपनी के अंश धारक अपने किए गए निवेश की स्थिति सुरक्षा तथा वापसी के बारे में जानने को उत्सुक रहते हैं। इसके साथ ही वे इस संदर्भ में भी जानकारी पाना चाहते हैं कि वे व्यसाय में निवेश को अनुवरत या सतत् रखें या उसे समाप्त कर दें। इस तरह के महत्त्वपूर्ण निर्णयों को लेने में वित्तीय विवरण अंश धारकों को जानकारी प्रदान करते हैं।
6. *व्यापार संगठनों को अपने सदस्यों की सहायता में सहायक*– व्यापार संगठन इस उद्देश्य के लिए वित्तीय विवरणों का विश्लेषण कर सकते हैं कि वे अपने सदस्य को सेवा और संरक्षा प्रदान कर सकें। वे एक मानक अनुपात विकसित कर सकते हैं और खातों के लिए एकरूपी व्यवस्था निर्मित कर सकते हैं।
7. *प्रतिभूति बाजारों की सहायता* – वित्तीय विवरण प्रतिभूति बाज़ार को वित्तीय निष्पादनों के रिपोर्ट में पारदर्शिता की सीमा को समझने में सहायता करते हैं तथा उन्हें इस योग्य बनाते हैं कि वे निवेशक

© NCERT not to be republished

के हितों की रक्षा के लिए अपेक्षित सूचनाओं के लिए मांग कर सकें। वित्तीय विवरण अंश दलालों को इस योग्य बनाते हैं कि विभिन्न सम्बद्धताओं से वित्तीय स्थिति को निर्णीत कर सकें तथा मूल्य उद्धत करने के बारे में निर्णय ले सकें।

3.9 वित्तीय विवरणों की सीमाएँ

यद्यपि वित्तीय विवरणों को उपयोगकर्ताओं की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए अत्यधिक ध्यान रखकर तैयार किया जाता है, तथापि वे निम्नलिखित सीमाओं को भुगतते हैं–

1. *वर्तमान स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करता* – वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किया जाता है। चूंकि धन की क्रय शक्ति बदलती रहती है। अत: वित्तीय विवरण में दर्शायी गई परिसंपत्तियाँ एवं दायित्व (देयताओं) का मूल्य चालू या वर्तमान बाजार स्थिति को नहीं दर्शाते हैं।
2. *परिसंपत्तियाँ वसूल नहीं पाई जा सकतीं* – लेखांकन को विशेष रूढ़ियों के आधार पर किया जाता है। कुछेक परिसपंत्तियाँ संभवत: कथित मूल्य पर वसूल नहीं पाई जा सकती, अगर कंपनी पर परिसमापन का जोर डाला जाए। तुलन पत्र में दर्शाई गई परिसंपत्तियाँ केवल असमाप्त या परिशोध न लागत प्रदर्शित करती हैं।
3. *पक्षपाती* – वित्तीय विवरण अभिलिखित तथ्यों, संकल्पनाओं तथा प्रयुक्त परम्पराओं का परिणाम होते हैं और मूल्य निर्णय लेखाकार या लेखापाल के द्वारा विभिन्न स्थितियों में किया गया होता है। अतैव, परिणाम में पक्षपात या एकांगता देखी जा सकती है।
4. *समुच्चित सूचना* – वित्तीय विवरण समुच्चित या कुल सूचना दर्शाते हैं न कि विशिष्ट सूचना। अतैव, वे शायद उपयोगकर्ता को निर्णय लेने में तब तक संतुष्ट नहीं कर सकते जब तक कि उनके अनुकूल बदलाव न हों।
5. *अनिवार्य सूचना का आभाव* – वित्तीय विवरण या तुलन पत्र बाजार से संबंधित हानि, समझौते के उल्लंघन के बारे में सूचना या जानाकारी नहीं उद्‌घाटित करते हैं। जो कि उद्यम की अनिवार्य मूल्यपात को नहीं दर्शाते हैं।
6. *गुणवत्तापूर्ण या गुणात्मक सूचना की कमी* – वित्तीय विवरणों में केवल आर्थिक जानकारी समाहित होती है न कि औद्योगिक संबधों, औद्योगिक वातावरण, श्रम संबंधों, कार्य एवं श्रम की गुणवत्ता आदि जैसी गुणात्मक जानकारियाँ नहीं होती हैं।
7. *ये केवल अंतरिम रिपोर्टें होती हैं:* वित्तीय विवरण जैसे– लाभ व हानि खाता केवल अंतरिम लाभों को दर्शाते हैं न कि अंतिम लाभों को। अंतिम लाभ केवल तभी जाने जा सकते हैं जब उद्यम का परिसमापन हो, परिसंपत्तियाँ बिकें और दायित्व चुकाई गई हों।

© NCERT not to be republished

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

1. वित्तीय विवरण
2. लाभ व हानि खाता
3. तुलनपत्र
4. आय की लेंखाकन अवधारण
5. बेचे गये माल की लागत
6. स्थायी क्रम
7. द्रवता क्रम
8. प्रारंभिक व्यय
9. अभिधारणा
10. संचालन लाभ
11. गैर-संचालन आय
12. निधियों का स्रोत
13. निधियों का उपयोग
14. अंतरिम लाभांश
15. अंश पूँजी

सारांश

वित्तीय विवरण लेखांकन प्रक्रिया का अंतिम उत्पाद होते हैं जो एक विशेष तिथि पर विशेष अवधि के लिए और वित्तीय स्थिति को प्रकट करते हैं। प्रत्येक निर्गमित संस्थान द्वारा वित्तीय विवरण तैयार करने एवं प्रकाशित करने का सामान्य उद्देश्य उसमें रूचि रखने वाली पार्टियों के लाभ के लिए होता है। इन विवरणों के अन्तर्गत आय विवरण तथा तुलन पत्र शामिल होते हैं। इन विवरणों का आधारभूत उद्देश्य प्रबंधकों द्वारा निर्णय लेने के लिए जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ बाहरी लोगों को भी जानकारी उपलब्ध कराना है जो कि निर्गम के काम-काज में रूचि रखते हैं।

तुलनपत्र में वे सभी परिसंपत्तियाँ दर्शाई जाती हैं जो एक कारोबार के स्वामित्व में होती है इसके साथ ही सभी दायित्वों या दायित्व जो लेनदार या देनदार को देय होती हैं तथा एक विशेष तिथि पर स्वामियों के दावे शामिल होते हैं। यह एक विशिष्ट महत्त्वपूर्ण विवरण होता है जो एक निगम की सुदृढ़ता या स्थिति अथवा वित्तीय स्थिति को चित्रित करते हैं। ये एक फर्म के संसाधनों एवं देनदारियों तथा फर्म की तरलता एवं समाधान के मापदंड़ों का संक्षिप्त सारांश होता है। तुलनपत्र को तरलता क्रम में या स्थाई क्रम में प्रस्तुत कर सकते हैं। हालांकि, कंपनी अधिनियम के अंतर्गत स्थायित्व कंपनियाँ अपने वित्तीय विवरणों को स्थाई क्रम में वर्गीकृत उपयुक्त शीर्ष के अन्तर्गत रखते हैं। तुलन पत्र को चालू कारोबार तथा प्रोद्भवन के आधार पर तैयार किया जाता है। वित्तीय विवरण प्राय: 1 अप्रैल से शुरू होकर मार्च 31 समापन वर्ष तक की अवधि के लिए तैयार किए जाते हैं।

आय विवरण या लाभ व हानि खाता उपयुक्त अवधि के लिए एक निर्गम के संचालनात्मक परिणामों को निर्धारित करने के लिए होता है। यह अर्जित आगम का तथा अर्जित राजस्व में होने वाले व्ययों का विवरण होता है यह एक व्यवसाय के संचालन की निष्पादन रिपोर्ट है जो आय, व्ययों, लाभ व हानि को दो तुलन पत्र के वर्षों के बीच के बदलाव को दर्शाता है।

वित्तीय विवरणों का महत्त्व वित्तीय विवरण के उपयोगकर्ताओं के अन्तर्गत अंश धारक निवेशक, लेनदार, ऋण दाता, उपभोक्ता, प्रबंधन तथा सरकार, आदि शामिल है। वित्तीय विवरण सभी उपभोगकर्ताओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहायता करते हैं। ये इन सदस्यों को सामान्य उद्देश्यों की आवश्यकता के लिए आँकड़ें उपलब्ध कराते हैं।

वित्तीय विवरणों की सीमाएँ वित्तीय विवरण सीमाओं से मुक्त नहीं होते हैं। यह केवल समुच्चित जानकारीयाँ हैं ताकि उपयोगकर्ता की सामान्य आवश्यकताओं की तुष्टि हो लेकिन विशिष्ट आवश्यकताओं की तुष्टि नहीं होती

© NCERT not to be republished

है। ये तकनीकी विवरण हैं जो केवल लेखांकन ज्ञान रखने वाले व्यक्तियों द्वारा ही समझ जाते हैं। ये ऐतिहासिक जानकारी प्रतिवर्तित करते हैं न कि वर्तमान स्थिति को, जो कि किसी भी निर्णय लेने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक होते हैं। इसके अतिरिक्त, कोई व्यक्ति संगठन के निष्पादन के बारे में मात्रात्मक बदलावों के बारे में अनुमान लगा सकता है न कि गुणात्मक बदलावों के बारे में, जैसे कि श्रमिक संबंध कार्य की गुणता, कर्मचारी संतुष्टि आदि। वित्तीय विवरण न तो परिपूर्ण होते हैं और न ही परिनिवल होते हैं चूंकि आय एवं व्यय प्रथक होते हैं तथा स्वीकृत संकल्पना की बजाय सर्वोत्तम निर्णय का उपयोग करते हैं। अतैव; किसी भी निर्णय लेने से पहले इन विवरणों का उचित विश्लेषण करने की आवश्यकता होती है।

अभ्यास

लधु उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय विवरण की प्रकृति की व्याख्या कीजिए?
2. वित्तीय विवरण के महत्त्व के बारे में विस्तृत व्याख्या कीजिए।
3. वित्तीय विवरण की सीमाओं का वर्णन कीजिए।
4. आय विवरण का प्रारूप बनाइए तथा इसके तत्वों का वर्णन कीजिए।
5. तुलनपत्र का प्रारूप तैयार कीजिए तथा तुलनपत्र के विभिन्न तत्वों की व्याख्या कीजिए।

दीर्ध उत्तरीय प्रश्न

1. व्याख्या कीजिए कि विभिन्न पार्टियों के लिए वित्तीय विवरण कैसे उपयोगी होते हैं जो कि एक निर्गमित संस्थान के कारोबार में रूचि रखते हैं।
2. परिचर्चा कीजिए कि– वित्तीय विवरण अभिलिखित तथ्यों लेखांकन परंपराओं (रूढ़ियों) तथा वैयक्तिक निर्णयों का समिश्रण होता है।
3. आय विवरण तथा तुलन पत्र को तैयार करने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

© NCERT not to be republished

संख्यात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित शेष 30 जून 2006 को माडर्न मैन्यूफैक्चरिंग कं॰ लिमिटेड के तलपट से प्राप्त किये गये हैं।

विवरण	राशि रु.	विवरण	राशि रु.
स्टॉक 30 जून 2005 को	7,500	प्रदत्त लाभांश अगस्त 2005 को	500
विक्रय	35,000	प्रदत्त अंतरिम लाभांश फरवरी 2006 को	400
क्रय	24,500	पूँजी– रु. 10,000	10,000
उत्पादक मजदूरी	5,000	1 रु. प्रति अंश	
बट्टा (नाम)	700	देनदार	3,750
बट्टा (जमा)	500	लेनदार	1,750
		संयंत्र एवं मशीनरी	2,900
वेतन	750	रोकड़ बैंकस्थ	1,620
किराया	495	रिर्जव	1,550
सामान्य व्यय	1,705	प्रबंध निदेशक को ऋण	325
लाभ व हानि खाता	1,503		
30 जून 2005 (जमा)		डूबत ऋण	158

30 जून 2006 को स्टॉक 8,200 रु. है। व्यापारिक 30 जून, 2006 पर व्यापारिक खाता तथा लाभ व हानि खाता तथा इसी तिथि पर तुलन पत्र भी तैयार करें। इसके साथ ही आपको निम्नलिखित के संबंध में प्रावधान तैयार करें– (i) मशीनरी में 10% वार्षिक की दर से मूल्यह्रास; (ii) देनदारों पर छूट के लिए 5% की दर से आरक्षित; (iii) 30 जून पर एक माह का किराया 45 रु. बकाया; और (iv) 6 माह का बीमा तथा सामान्य खर्चों सहित 75 रु. असमाप्त थे।

(उत्तर: सकल लाभ 6,200 रु., निवल लाभ 2,444.50 तुलन पत्र योग 16,392.50 रु.)

2. निम्नलिखित तलपट जून 30, 2005 को अल्फा क. लिमिटिड का है

विवरण	राशि रु.	ब्यौरा	राशि रु.
भूमि व भवन	3,00,000	विविध लेनदार	40,000
संयंत्र व मशीनरी	4,50,000	देय विपत्र	20,000
फर्नीचर एवं फिटिंग्स	40,000	सामान्य आरक्षित	2,00,000
ख्याति	60,000	लाभ व हानि खाता	90,000
		1.7.04 को	
विविध देनदार	60,000	विक्रय	6,25,000
प्राप्य विपत्र	26,000	वापसी	15,000
निवेश (5% सरकारी प्रतिभूति)	30,000	समता अंश पूँजी	5,00,000
हस्तस्थ रोकड़	2,000	8% अधिमान अंश पूँजी	2,00,000
बैंकस्थ रोकड़	55,000		
प्रारंभिक व्यय	29,000		

© NCERT not to be republished

क्रय	4,00,000		
विक्रय वापसी	10,000		
स्टॉक– 1.7.04 को	50,000		
मजदूरी	47,000		
वेतन	55,000		
किराया, दर, कर	9,000		
आंतरिक ढुलाई	6,500		
कानूनी प्रभार	2,500		
व्यापार व्यय	23,000		
	16,90,000		**16,90,000**

निम्नलिखित विवरणों को ध्यान में रखते हुए कंपनी का लाभ व हानि खाता तथा तुलनपत्र तैयार करें–

(क) भूमि एवं भवन, मशीनरी तथा फर्नीचर एवं फिटिंग्स की वास्तविक लागत क्रमशः 2,50,000 रु., 6,00,000 रु. तथा 60,000 रु. थी। वर्ष के दौरान परिवर्धन हुआ: भवन 50,000 रु. तथा संयंत्र 20,000 रु.।

(ख) संयंत्र व मशीनरी तथा फर्नीचर फिटिंग्स पर वास्तविक लागत पर 10% की दर से मूल्यह्रास।

(ग) विविध देनदारों की बकाया 10,000 रु. है जो छह माह से अधिक हो चुके हैं और इसमें 50,000 रु. को संदिग्ध माना गया है शेष परिशुद्ध माना गया है।

(घ) निदेशक निवल लाभ में किसी प्रकार के कमीशन को प्रभारित करने से पूर्व 1 प्रतिशत कमीशन के लिए अधिकृत है।

(च) 30 जून, 2005 को स्टॉक 1,30,000 रु. है।

(छ) आय कर के लिए 34,000 रु. उपलब्ध कराए गए हैं।

(उत्तर : सकल उत्पाद 2,21,500 रु., निवल लाभ 25,443 रु., तुलनपत्र का योग 11,10,500 रु.)

3. 31 दिसम्बर 2005 पर तैयार की गई परशुराम फलोर मिल्स लि. की खाता पुस्तकों पर निम्न शेष प्रदर्शित हुआ।

विवरण	*राशि रु.*	*विवरण*	*राशि रु.*
गेहूँ का स्टॉक	9,500	फर्नीचर	5,100
आटे का स्टॉक	16,000	वाहन	5,100
गेहूँ खरीद	4,05,000	स्टोर व अतिरिक्त पुर्जे	18,300
विनिर्माण व्यय	90,000	अग्रिम	24,500
आटे की बिक्री	5,55,000	देनदार	51,700
वेतन व मजदूरी	13,000	निवेश	4,000
स्थापना	4,700	अंश पूँजी	72,000
ब्याज (जमा)	500	पेंशन निधि	23,000
किराया प्राप्त	800	लाभांश समकारी निधि	10,000
लाभ व हानि खाता (जमा)	15,000	कराधान प्रावधान	8,500

© NCERT not to be republished

निदेशक शुल्क	1,200	अदावी लाभांश	9,00
2004 के लिए लाभांश	9,000	डिपोजिट (जमा)	1,600
भूमि	12,000	व्यापारिक लेनदार	1,24,000
भवन	50,500	हस्तस्थ रोकड़	1,200
संयंत्र व मशीनरी	50,500	बैंकस्थ रोकड़	40,000

वर्ष हेतु कंपनी के व्यापार तथा लाभ व हानि खाता तैयार कीजिए तथा 31 दिसंबर 2005 के लिए खाते में निम्नलिखित समायोजनों को लेते हुए तुलनपत्र भी तैयार कीजिए–

(क) 31 दिसंबर 2005 को स्टॉक थे: 14,900 रु. की लागत पर गेहूँ; बाजार मूल्य पर गेहूँ 21,700 रु. (ख) बकाया व्यय: निर्माण व्यय 23,500 रु. ; और वेतन तथा मजदूरी 1,200 रु.; (ग) मूल्यह्रास भवन पर 2%, संयंत्र व मशीनरी पर 10%; फर्नीचर पर 10%; वाहन पर 20%; (घ) सरकारी प्रतिभूतियों पर प्रोद्भूत ब्याज, 100 रु.; (च) 8,000 रु. का एक कर प्रावधान आवश्यक माना गया है; (छ) निदेशकों ने 20% का लाभांश प्रस्तावित किया; (ज) 10/- रु. प्रति अंश के हिसाब से 12,000 समता अंशों की प्राधिकृत पूँजी सन्निहित बनी हुई है, जिनमें से 7,200 अंशों का निर्गमित किया गया तथा पूर्णत: चुकता किया गया।

(उत्तर : सकल लाभ 47,600 रु. ; निवललाभ 21,810 रु., लाभ व हानि विनियोग शेष 13,410 रु.; तुलनपत्र का योग 2,92,010 रु.)

4. बंग विकास लिमिटेड के लिए एक अनुभवहीन लेखाकार ने वर्ष की समाप्ति 31.12.2005 के लिए निम्नलिखित शेष परीक्षण पत्र तैयार किया है। 31.12.2005 को हस्तस्थ रोकड़ 750 रु. थी।

विवरण	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
मशीनरी पर मूल्यह्रास	33,000	10 रु. प्रति अंश से 60,000	6,00,000
बकाया माँग	7,500	शेयरों की अधिकृत पूँजी	
भूमि व भवन	3,00,000	अभिदत्त पूँजी	4,00,000
मशीनरी	2,97,000	6% ऋणपत्र	3,00,000
प्रदत्त अंतरिम लाभांश	37,500	लाभ व हानि खाता (जमा)	13,625
1.1.2005 का स्टॉक	75,000	विविध देनदार	87,000
विविध लेनदार	40,000	विक्रय	4,15,000
फर्नीचर	7,200		
देयविपत्र	38,000	निक्षेप निधि	75,000
बैंक शेष	39,900	प्रारंभिक व्यय	5,000
क्रय	1,85,000		
संधिग्ध ऋणों हेतु प्रावधान	4,375		
निवेश	75,000		
वेतन व मजदूरी	99,300		
मरम्मत	4,300		
ईंधन	2,500		

© NCERT not to be republished

दरों व कर	1,800		
यात्रा व्यय	2,000		
बट्टा	6,400		
निदेशक शुल्क	5,700		
डूबत ऋण	2,100		
ऋणपत्र ब्याज	9,000		
ढुलाई	1,800		
माल भाड़ा	8,900		
विविध व्यय	2,350		
सार्वजनिक जमा	10,000		
	12,95,625		**12,95,625**

त्रुटियाँ ज्ञात होने पर एवं निम्नलिखित समायोजनों के पश्चात् व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता तथा निर्धारित प्रपत्र पर तुलन पत्र तैयार करें।

समायोजनः (i) स्टॉक 31.12.2005 पर 95,000 रु. तथा (ii) प्रारंभिक व्ययों को बट्टे खाते में डालें।

सूचना– परिशोधित शेष तलपट पत्र बनाने की आवश्यकता नहीं है।

(उत्तर : सकल लाभ– रु. 2,36,800 निवल लाभ, 56,850 रु.; लाभ व हानि विनियोग खाता का शेष, 32,925 रु. तुलनपत्र योग रु. 8,97,475; तलपट में अंतर 750 रु. का अंतर।

5. सिल्वर ओर कं० लिमिटेड की स्थापना 1 अप्रैल 2005 को रु. 10 के अंश से 6,00,000 रु. की अधिकृत पूँजी के साथ की गई। इनमें से 52,000 रु. अंश निर्गमित तथा अभिदत्त किए गए लेकिन 100 अंशो पर 2.50 रु. की दर से आई थी। निम्नलिखित शेष परीक्षण पत्र 31 मार्च, 2006 को यथानुसार था। इसके लिए व्यापार तथा लाभ व हानि खाता तथा तुलनपत्र तैयार कीजिए–

विवरण	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
बैंकस्थ रोकड़	1,05,500	विज्ञापन	5,000
अंश पूँजी	5,19,750	संयंत्र पर ढुलाई	1,800
संयंत्र	40,000	फर्नीचर एवं भवन	20,900
चांदी की बिक्री	1,79,500	प्रशासकीय खर्च	28,000
खदान	2,20,000	प्लांट (संयंत्र) की मरम्मत	900
प्रर्वतन व्यय	6,000	कोयला एवं तेल	6,500
31.12.2005 तक सावधि जमा पर ब्याज	3,900	रोकड़	530
निवेश पर लाभांश	3,200	निवेश– टिन खदानों के अंश	80,000
स्वत्व शुल्क भुगतान	10,000	उपरोक्त पर दलाली	1,000
रेलवे ट्रेक तथा डिब्बे	17,000	6% पर सिंडीकेट बैंक में सावधि जमा	89,000
खदानों की मजदूरी	74,220		

not to be republished © NCERT

(i) मूल्यह्रास– संयंत्र व रेलवे पर 10% फर्नीचर व भवन पर 5% (ii) प्रोत्साहन राशि का तिहाई हिस्सा बट्टे में डालें (iii) 31 मार्च, 2006 पर सिल्वर ओर का मूल्य 15,000 रु.; निवेशकों ने 20 दिसंबर 2006 को 100 अंशों को जब्त किए जिने पर 7,50 रु. प्रति अंश प्राप्त किया गया।

(उत्तर : सकल लाभ 69,390 रु. निवल लाभ 70,398 रु; तुलनपत्र योग 5,89,140 रु.)

स्वयं जाँचिये हेतु जाँच सूची

स्वंय जाँचिये – 1

(क) (i) सत्य (ii) सत्य (iii) असत्य (iv) सत्य (v) सत्य

(ख) (i) आधारभूत स्रोत (ii) अंशधारक (iii) प्रोदभूत (iv) तुलन पत्र (v) आय

स्वयं जाँचिये – 2

(क) पूँजी आरिक्षत, पूँजी शोधन आरक्षित, प्रतिभूति प्रीमियम खाते का शेष, सामान्य आरक्षित, लाभ व हानि खाते का जमा शेष

(ख) प्रारंभिक व्यय विज्ञापन खर्च, अंशों और ऋणपत्रों के निर्गम पर बटटा, अंश निर्गम व्यय

(ग) 1. (iv) 2. (v) 3. (ii) 4. (iii) 5. (i) 6. (vi)

© NCERT not to be republished